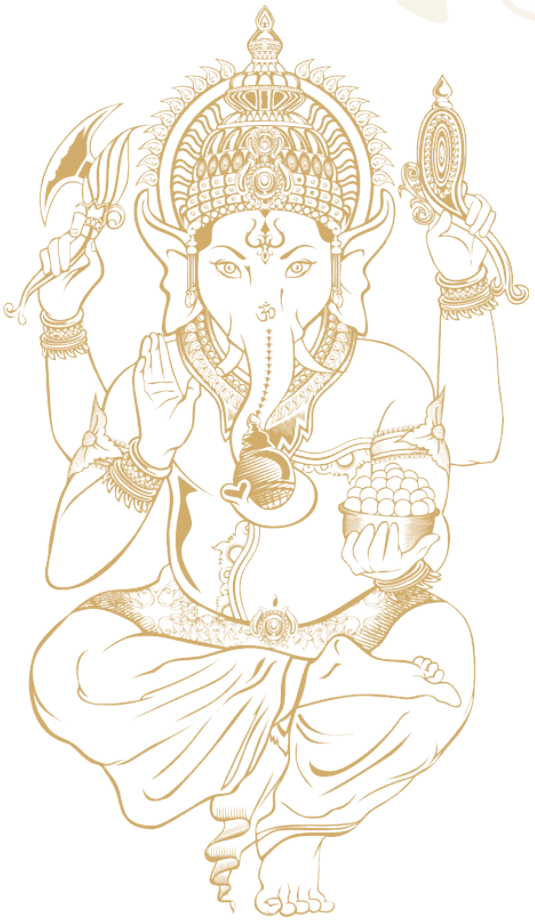

Mr.Gupta

Ms.goel

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119650902

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
17/07/1974	जन्म तिथि	19/06/1975
बुधवार	दिन	गुरुवार
घंटे 13:45:00	जन्म समय	13:23:00 घंटे
घटी 20:27:37	जन्म समय(घटी)	19:58:57 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:33:57	सूर्योदय	05:23:25
19:20:09	सूर्यास्त	19:21:11
23:30:23	चित्रपक्षीय अयनांश	23:31:06

विंशोत्तरी मंगल 3वर्ष 2मा 16दि	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी राहु 14वर्ष 5मा 3दि
शनि	16:21:34	तुला	लग्न	कन्या	17:23:21	बुध
03/10/2011	00:52:27	कर्क	सूर्य	मिथु	03:54:55	21/11/2024
03/10/2030	00:32:53	मिथु	चंद्र	तुला	09:18:49	21/11/2041
शनि 06/10/2014	00:06:08	सिंह	मंगल	मीन	27:57:37	बुध 20/04/2027
बुध 15/06/2017	12:07:19	मिथु	बुध व	वृष	21:53:58	केतु 16/04/2028
केतु 25/07/2018	24:12:32	कुंभ व	गुरु	मीन	26:24:03	शुक्र 15/02/2031
शुक्र 23/09/2021	01:52:53	मिथु	शुक्र	कर्क	19:16:51	सूर्य 22/12/2031
सूर्य 05/09/2022	17:00:00	मिथु	शनि	मिथु	25:37:31	चन्द्र 23/05/2033
चन्द्र 06/04/2024	25:32:26	वृश्चि व	राहु	वृश्चि	07:14:48	मंगल 20/05/2034
मंगल 15/05/2025	25:32:26	वृष व	केतु	वृष	07:14:48	राहु 06/12/2036
राहु 21/03/2028	00:15:17	तुला	हर्ष व	तुला	04:58:35	गुरु 14/03/2039
गुरु 03/10/2030	13:36:53	वृश्चि व	नेप व	वृश्चि	16:26:02	शनि 21/11/2041
	10:51:03	कन्या	प्लूटो	कन्या	12:57:51	

लग्न-चलित

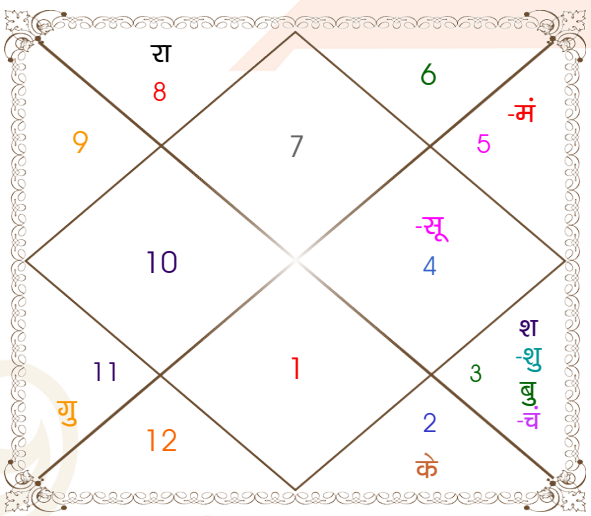

लग्न-चलित

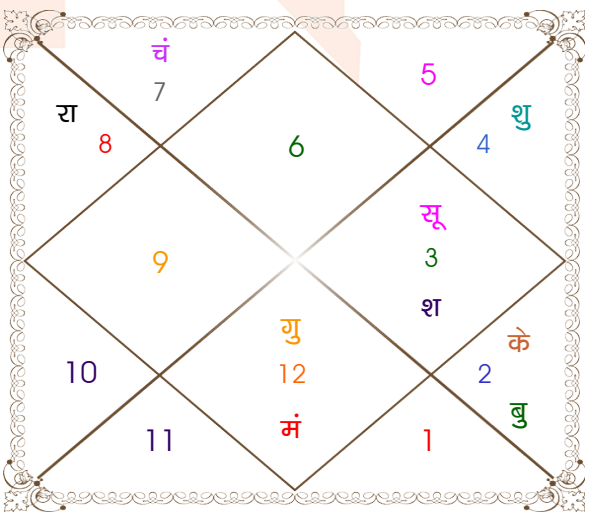

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सर्प	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	बुध	शुक्र	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मिथुन	तुला	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतण्ळनचजं का वर्ग मार्जार है तथा Ms.goel का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतण्ळनचजं और Ms.goel का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतण्ळनचजं मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Ms.goel मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Ms.goel कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल डतण्ळनचजं कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतण्ळनचजं तथा Ms.goel में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।